हमारा अद्भुत संसार

कक्षा 5 के लिए पाठ्यपुस्तक
हमारे आस-पास की दुनिया

0536

© NCERT not to be republished

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

0536 – हमारा अद्‌भुत संसार, कक्षा 5
(हमारे आस-पास की दुनिया)

ISBN 978-93-5729-437-9

प्रथम संस्करण
जनवरी 2026 पौष 1947

PD 120T BS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2026

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा डी.पी. प्रिंटिंग एवं बाईंडिंग, बी-149, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-I, नई दिल्ली–110 020 द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट : धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *एम.वी. श्रीनिवासन*
मुख्य संपादक : *बिज्ञान सुतार*
मुख्य व्यापार प्रबंधक : *अमिताभ कुमार*
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी) : *दीपक जैसवाल*
सहायक उत्पादन अधिकारी : *प्रकाश वीर सिंह*

आवरण एवं चित्रांकन
जुनैद डिजिटल आर्ट्स
फजरुद्दीन

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित विद्यालयी शिक्षा का बुनियादी स्तर विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आधारशिला का कार्य करता है। यह विद्यार्थियों को न केवल हमारे देश के लोकाचार और संवैधानिक ढाँचे में निहित अमूल्य संस्कारों को आत्मसात करने में सक्षम बनाता है, अपितु बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशलों को प्राप्त करने में भी सक्षम बनाता है।

प्रारंभिक स्तर, बुनियादी और मध्य स्तर के बीच एक सेतु का कार्य करता है जो कक्षा 3 से 5 अर्थात तीन वर्षों तक चलता है। इस स्तर के दौरान प्रदान की जाने वाली शिक्षा बुनियादी स्तर के शैक्षणिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है। इस स्तर में बच्चों को पाठ्यपुस्तकों और औपचारिक कक्षा-कक्ष से भी परिचित कराया जाता है, जबकि खेल-कूद और अनुसंधान के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धतियाँ चलती रहती हैं। इस परिचय का उद्देश्य विभिन्न पाठ्यचर्या के क्षेत्रों की केवल नींव स्थापित करना ही नहीं, अपितु पढ़ने, लिखने, बोलने, चित्र बनाने, गायन और खेल के माध्यम से समग्र शिक्षा तथा आत्मान्वेषण को प्रोत्साहित करना है। इस व्यापक दृष्टिकोण में शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, भाषाएँ, गणित, आधारभूत विज्ञान और सामाजिक विज्ञान सम्मिलित हैं। यह व्यापक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि बच्चे संज्ञानात्मक-संवेदनात्मक और शारीरिक-प्राणिक (भावनात्मक) दोनों स्तरों पर अच्छी तरह से तैयार हों, ताकि वे सरलता से मध्य स्तर तक पहुँच सकें।

विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 की अनुशंसा का पालन करते हुए *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के अनुवर्ती के रूप में, प्रारंभिक स्तर में 'हमारे आस-पास की दुनिया' को एक नया विषयक्षेत्र बनाया गया है। इसका उद्देश्य अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से पर्यावरण शिक्षा प्रदान करना तथा बच्चों के अनुभवों को विभिन्न विषयक्षेत्रों की बुनियादी अवधारणाओं से जोड़ना है, जिनका वे मध्य स्तर में अध्ययन करेंगे।

'हमारे आस-पास की दुनिया' के लिए यह पाठ्यपुस्तक *हमारा अद्भुत संसार* बच्चों को उनकी अपनी दुनिया से संबंधित दिन-प्रतिदिन की सीखों को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा जैसे विभिन्न विषयक्षेत्रों की बुनियादी अवधारणाओं से जोड़ने में सहायता करने के लिए तैयार की गई है। इसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति उनकी संवेदनशीलता को बढ़ाना, उनमें समुदाय के साथ काम करने के कौशल विकसित करने और विभिन्न व्यवसायों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है।

हमारा अद्भुत संसार, विद्यार्थियों में इस विकासात्मक स्तर के लिए आवश्यक वैचारिक समझ, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता तथा मूल्यों और स्वभाव पर बल देती है। इसमें समावेशिता, बहुभाषिकता, जेंडर समानता और सांस्कृतिक मूल से जुड़ाव जैसे बहुपक्षीय विषयों को सम्मिलित किया गया है तथा उपयुक्त आई.सी.टी. उपकरणों और विद्यालय आधारित आकलन को समेकित किया गया है।

कक्षा 3 और 4 में विद्यार्थियों को हमारा समुदाय, हमारे आस-पास का जीवन, स्वास्थ्य एवं आरोग्य, हमारे चारों ओर की वस्तुएँ और हमारा पर्यावरण जैसी इकाइयों से परिचित कराया गया। कक्षा 5 प्रारंभिक स्तर का अंतिम वर्ष है और यह विद्यार्थियों को मध्य स्तर के लिए पूर्ण रूप से सक्षम बनाती है। यह विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में एक सुदृढ़ आधार तैयार करती है, ताकि विद्यार्थी मध्य स्तर से इन

© NCERT not to be republished

विषयों को अलग-अलग पढ़ने के लिए तैयार हो सकें। कक्षा 5 के विद्यार्थियों को विविधतापूर्ण भारत, गोदावरी नदी के उदाहरण से जल की महत्वपूर्ण भूमिका, घर और विद्यालय में स्वास्थ्य एवं आरोग्य, विद्यार्थियों के आस-पास की विभिन्न वस्तुएँ कैसे निर्मित होती हैं और कैसे कार्य करती हैं तथा पृथ्वी ग्रह पर और उसके आस-पास का पर्यावरण जैसे विषयों से परिचित कराया गया है। इस पाठ्यपुस्तक की सामग्री और प्रक्रियाएँ विद्यार्थियों की आयु, अनुभव, रुचि तथा विविधता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। इसमें भारत की परंपराओं, संस्कृति और उपलब्धियों से संबंधित अनेक रोचक जानकारियाँ भी दी गई हैं।

इस स्तर पर बच्चों की अंतर्निहित जिज्ञासा को उनके प्रश्नों का उत्तर देकर तथा मूल शिक्षण सिद्धांतों पर आधारित गतिविधियों को प्रारूपित करके पोषित करने की आवश्यकता है। इस स्तर में भी खेल-खेल में सीखने की शिक्षण पद्धति के लिए उपयोग किए जाने वाले खिलौनों और खेलों की प्रकृति मात्र ध्यान आकर्षित करने की अपेक्षा बच्चों की संलग्नता बढ़ाने के लिए विकसित की गई है।

यद्यपि यह पाठ्यपुस्तक मूल्यवान है, फिर भी बच्चों को इस विषय पर अतिरिक्त संसाधनों को ढूँढ़ने की आवश्यकता है। विद्यालय के पुस्तकालयों को इस विस्तृत शिक्षा को सुगम बनाना चाहिए और शिक्षकों एवं अभिभावकों को उनके इन प्रयासों का समर्थन करना चाहिए।

एक प्रभावी शिक्षण वातावरण बच्चों को प्रेरित करता है, उन्हें व्यस्त रखता है तथा उनमें सीखने के लिए महत्वपूर्ण जिज्ञासा व आश्चर्य को प्रोत्साहित करता है।

मैं, पूरे विश्वास के साथ प्रारंभिक स्तर के सभी बच्चों और शिक्षकों के लिए इस पाठ्यपुस्तक की अनुशंसा करता हूँ। मैं इसके विकास में सम्मिलित सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ और आशा करता हूँ कि यह सभी की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। रा.शै.अ.प्र.प. पाठ्यपुस्तक के नियमित संवर्धन और प्रकाशन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है, अत: हम पाठ्यपुस्तक की विषय-सामग्री को परिष्कृत करने के लिए आपके सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते हैं।

दिनेश प्रसाद सकलानी

निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद

नई दिल्ली

28 जून 2025

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक के विषय में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप *विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* (एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023) ने कक्षा 3 से लेकर 5 तक के लिए विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक स्तर में 'हमारे आस-पास की दुनिया' को एक मुख्य पाठ्यचर्या क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत किया है। जैसा कि एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 में वर्णित है, इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की स्वाभाविक जिज्ञासा को संबोधित करना और उन्हें अपने तात्कालिक परिवेश में प्राकृतिक, भौतिक और सामाजिक वातावरण की अधिक व्यवस्थित समझ प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* और *विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* के निर्देशानुसार 'हमारे आस-पास की दुनिया' की पाठ्यपुस्तक को एक सीखने के साथी के रूप में तैयार किया गया है जो विद्यार्थियों के बीच अवलोकन करने, प्रश्न करने, जाँच करने, चिंतन करने और अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करती है। यह विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन और मूलभूत व्यावसायिक कौशल को एक सुसंगत कथा में समेकित करती है, अंतर-विषयी चिंतन और करके सीखने को प्रोत्साहित करती है।

हमारा अद्भुत संसार, कक्षा 5 की पाठ्यपुस्तक 'हमारे आस-पास की दुनिया' कक्षा 3 और 4 में रखी गई नींव से आगे की यात्रा पर लेकर जाती है। जैसे-जैसे विद्यार्थी प्रारंभिक स्तर के अंतिम वर्ष में प्रवेश करते हैं यह पुस्तक अन्वेषण, प्रयोग, खेल और खोज के अनुभवों को सुदृढ़ करती है और शिक्षार्थियों का अधिक संरचित और संवादात्मक शिक्षण की ओर मार्गदर्शन करती है। यह पाठ्यपुस्तक प्रकृति भ्रमण, अवलोकन, साक्षात्कार, प्रतिरूप-निर्माण, प्रयोग और सर्वेक्षणों के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम के मूल सिद्धांतों को समाहित करती है। इसमें विद्यार्थियों को वैज्ञानिक विधियों की मूल अवधारणाओं — अवलोकन, परिकल्पना, परीक्षण और निष्कर्ष के क्रियान्वयन हेतु प्रोत्साहित किया गया है। ऐसा करने से उनमें पर्यावरण जागरूकता, नैतिक तर्क, सहानुभूति और दूसरों तथा पृथ्वी के प्रति उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित होती है।

समग्र और समावेशी शिक्षा के माध्यम से संज्ञानात्मक, भावनात्मक और शारीरिक क्षमताओं को विकसित करने की दृष्टि से यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थी-केंद्रित, गतिविधि-समृद्ध और पूछताछ-आधारित शिक्षण पद्धति को अपनाती है। यह तात्कालिक परिवेश से व्यापक संदर्भों तक क्रमिक प्रगति का भी समर्थन करती है। पर्यावरण के इस संरचित अन्वेषण से एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 में उल्लिखित पाठ्यचर्या लक्ष्यों के आधार पर 'हमारे आस-पास की दुनिया' के माध्यम से प्रारंभिक स्तर के लिए पहचानी गई दक्षताएँ विकसित होने की आशा है। सामग्री और गतिविधियों को तैयार और विकसित करते समय विद्यार्थियों को पर्यावरण की खोज के विविध अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को दुनिया में परस्पर निर्भरता को समझने और पर्यावरण एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में सहायता मिलती है। विद्यार्थियों को इसके महत्व को पहचानने के लिए पुस्तक में जानकारियाँ दी गई हैं जो स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता, विभिन्न परिस्थितियों में उनके दायित्वपूर्ण व्यवहार की ओर अग्रसर करती हैं। आँकड़ों का संग्रह और अवलोकन, विभिन्न प्रयोगों और सामाजिक सर्वेक्षण के माध्यम से उनका विश्लेषण निश्चित रूप से प्रश्न पूछने और संभावित समाधानों तक पहुँचने के कौशल विकसित करेगा।

© NCERT not to be republished

यह पुस्तक मध्य स्तर पर विभिन्न विषय-अनुशासनों से संबद्ध अवधारणाओं की मूलभूत समझ प्रदान करने का भी प्रयास करती है। इसके अतिरिक्त, यह पुस्तक दुनिया की खोज के उपकरण के रूप में मानचित्र को समझने और उसकी व्याख्या करने का अनुभव प्रदान करती है।

इसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई.के.एस.) सहज रूप से समेकित है, जो विद्यार्थियों को स्वदेशी अभ्यासों या प्रथाओं, स्थानीय शिल्पों, लोककथाओं और समुदायों के ज्ञान को महत्व देने का एक दृष्टिकोण प्रदान करती है। भाषा, गणित और कला भी अंतर-विषयक गतिविधियों के माध्यम से स्वाभाविक रूप से अंतर्निहित हैं। समावेशिता और विविधता को केंद्र में रखकर तैयार की गई यह पुस्तक विभिन्न क्षमताओं और पृष्ठभूमियों के शिक्षार्थियों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है। यह सहयोगात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित करती है, बहुभाषी संदर्भों का सम्मान करती है और देखभाल, सहयोग और लोकतांत्रिक नागरिकता के मूल्यों को बढ़ावा देती है।

पाठ्यपुस्तक में 10 अध्याय हैं, जिन्हें पाँच इकाइयों में विचारपूर्वक संरचित किया गया है— हमारे आस-पास का जीवन, स्वास्थ्य एवं आरोग्य, अद्भुत भारत, हमारे आस-पास की वस्तुएँ और हमारा अद्भुत ग्रह। यह पुस्तक विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के मुद्दों, स्थानीय ज्ञान प्रणालियों तथा हमारे देश में फैली विविध संस्कृतियों से जुड़ने का अवसर प्रदान करती है। प्रत्येक इकाई में वांछित दक्षताओं और सम्मिलित अवधारणाओं का संक्षेप में वर्णन किया गया है। प्रत्येक अध्याय में विभिन्न दृष्टिकोणों का पालन करने का प्रयास किया गया है। एक कथा के रूप में, अध्याय 1 'जल— जीवन का आधार' इस बात पर बल देता है कि हमें कैसे उत्तरदायी होना चाहिए और प्रकृति में संतुलन बनाए रखना क्यों महत्वपूर्ण है। इसके बाद अध्याय 2 'एक नदी की यात्रा' है जो गोदावरी नदी की आत्मकथा के रूप में लिखा गया है, इसमें दर्शाया गया है कि पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक पहलू आपस में कैसे जुड़े हुए हैं। अध्याय 3 'भोजन का रहस्य' एक खोजपूर्ण शैली का उपयोग करता है, जो हमारे आस-पास की उन वस्तुओं को देखने पर बल देता है जिन्हें हम प्रत्यक्ष दृष्टि से नहीं देख सकते, उदाहरण के लिए सूक्ष्मजीवों पर चर्चा। अध्याय 4 'हमारा विद्यालय— एक आनंदमय स्थान' शोध, योजना और कार्रवाई पर आधारित है। अध्याय 5 'हमारा जीवंत देश' उन वस्तुओं के माध्यम से सीखने के विषय में है जो हमारे आस-पास हैं और जिन पर हमने ध्यान नहीं दिया या जिनकी हमने जाँच नहीं की है, उदाहरण के लिए नोट। अध्याय 6 'कुछ अनूठे स्थान' भारत में अनूठे स्थानों की खोज के बारे में एक यात्रा वृत्तांत है जबकि अध्याय 7 और 8 विद्यार्थियों को सम्मिलित करने के लिए गतिविधियों और प्रयोगों का उपयोग करते हैं। अध्याय 7 'ऊर्जा— वस्तुएँ कैसे कार्य करती हैं' और अध्याय 8 'वस्त्र– वस्तुएँ कैसे निर्मित होती हैं' कक्षा 3 और 4 में चर्चा किए गए विषयों— 'वस्तुएँ कैसे कार्य करती हैं' और 'वस्तुएँ कैसे बनती हैं', का ही विस्तार हैं। अध्याय 9 'प्रकृति की लय' में विद्यार्थियों को पुस्तक के पीछे दी गई पत्रिका में अपने अवलोकनों को दर्ज करने के लिए कहा जाता है। अध्याय 10 'पृथ्वी— हम सबका घर' का मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक दृष्टिकोण से वस्तुओं को लघु कथाओं के रूप में देखना है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को 'पृथ्वी' को एक सुसंबद्ध ग्रह के रूप में परिचित कराया जा रहा है। इस अध्याय में हम अपने कार्यों और अपने आस-पास के पर्यावरण के बीच संबंधों के विषय में और

© NCERT not to be republished

अधिक जान सकते हैं। संक्षेप में, विद्यार्थियों को हमारे आस-पास की दुनिया, उसकी रचना कैसे हुई, वस्तुएँ कहाँ से आईं, उनका इतिहास क्या है, हम कैसे असुरक्षित हो सकते हैं और हम कैसे उत्तरदायी ढंग से कार्य कर सकते हैं, यह समझकर कि हमारे आस-पास की दुनिया आपस में कैसे जुड़ी हुई है और विश्व को एक परिवार मानने का हमारा प्राचीन भारतीय दर्शन, 'वसुधैव कुटुम्बकम्', स्थिरता के लिए कितना महत्वपूर्ण है, इन विषयों से परिचित कराया गया है। यह पुस्तक विद्यार्थियों को वर्ष की चार तिमाहियों में अपने अवलोकनों को अंत में 'ऋतु-पत्रिका' में दर्ज करने का अवसर प्रदान करती है। शिक्षक विद्यार्थियों को ऐसा करने के लिए मार्गदर्शन करेंगे।

आकलन को चिंतनशील अभ्यासों, परियोजनाओं, समूह कार्य और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया में समेकित किया जाता है। 'आइए विचार करें' खंड एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 में दी गई दक्षताओं के अनुरूप आत्म-मूल्यांकन और ज्ञान की सीमाओं को प्रोत्साहित करते हैं। पुस्तक में आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न रखे गए हैं। शिक्षक को एक ऐसे व्यक्ति जिसके पास सभी उत्तर हों, उसकी तुलना में सुगमकर्ता की भूमिका अधिक निभानी चाहिए। शिक्षक को पुस्तक में दी गई गतिविधियों में विविधता लाने और उन्हें विस्तारित करने के साथ-साथ कक्षा में चर्चा आरंभ करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसका उद्देश्य उन प्रश्नों के प्रति जिज्ञासा और खुलेपन की भावना को प्रोत्साहित करना है जो पाठ्यक्रम से बाहर के लग सकते हैं। इनमें से कुछ के उत्तर भले ही न मिलें परंतु उन पर चर्चा की आवश्यकता हो सकती है। 'शिक्षण संकेत' समृद्ध कक्षा चर्चाओं को सुगम बनाने और स्थानीय संदर्भों के अनुसार विषयवस्तु को अनुकूलित करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि शिक्षक मानचित्रों और ग्लोब जैसी समुचित शिक्षण सामग्री का उपयोग करें, क्योंकि इनके बिना तैयार की गई गतिविधियाँ अधूरी रहेंगी और दक्षताओं की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी।

अंततः *हमारा अद्भुत संसार* का उद्देश्य सीखने में आजीवन जिज्ञासा और आनंद जगाना है, जिससे विद्यार्थी अपने जीवन को एक व्यापक, परस्पर जुड़ी हुई दुनिया के हिस्से के रूप में देख सकें। यह जीवंत अनुभवों एवं अमूर्त विचारों और स्थानीय एवं वैश्विक जीवन जीने के बीच एक सेतु का कार्य करती है। इस पुस्तक को शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के लिए एक रोमांचक उपकरण के रूप में तैयार किया गया है। इस पुस्तक का उद्देश्य हमारी शक्ति, भारत की समृद्ध विविधता पर गर्व की भावना जगाना है। हमें आशा है कि यह पाठ्यपुस्तक आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों में विविध प्रकार की दक्षताओं के विकास के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करेगी।

धन्या कृष्णन
सह-आचार्य और सदस्य-समन्वयक
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.)

महेश चंद्र पंत, *कुलाधिपति*, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान ***(अध्यक्ष)***

मञ्जुल भार्गव, *आचार्य*, प्रिंसटन विश्वविद्यालय ***(सह अध्यक्ष)***

सुधा मूर्ति, *प्रतिष्ठित लेखिका* एवं *शिक्षाविद्*

बिबेक देबरॉय, *अध्यक्ष,* प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.-पी.एम.)

शेखर मांडे, *पूर्व महानिदेशक*, सी.एस.आई.आर. एवं प्रतिष्ठित प्रोफेसर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

सुजाता रामदोरई, *आचार्य*, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा

शंकर महादेवन, संगीत विशेषज्ञ, मुंबई

यू. विमल कुमार, *निदेशक*, प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बेंगलुरू

मिशेल डैनिनो, *अतिथि आचार्य*, आई.आई.टी. गांधीनगर

सुरीना राजन, *आई.ए.एस.* (सेवानिवृत्त), हरियाणा एवं *पूर्व महानिदेशक*, एच.आई.पी.ए. (हिपा), हरियाणा

चमू कृष्ण शास्त्री, *अध्यक्ष*, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय

संजीव सान्याल, *सदस्य*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.-पी.एम.)

एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, चेन्नई

गजानन लोंढे, *अध्यक्ष*, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

रबिन छेत्री, *निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम

प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

दिनेश कुमार, *आचार्य*, योजना एवं अनुवीक्षण प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

कीर्ति कपूर, *आचार्य*, भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रंजना अरोड़ा, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली ***(सदस्य-सचिव)***

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

भाग-3 (अनुच्छेद 12-35)
(अनिवार्य शर्तों, कुछ अपवादों और युक्तियुक्त निर्बंधन के अधीन)
द्वारा प्रदत्त

मूल अधिकार

समता का अधिकार

- विधि के समक्ष एवं विधियों के समान संरक्षण;
- धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर;
- लोक नियोजन के विषय में;
- अस्पृश्यता और उपाधियों का अंत।

स्वातंत्र्य-अधिकार

- अभिव्यक्ति, सम्मेलन, संघ, संचरण, निवास और वृत्ति का स्वातंत्र्य;
- अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण;
- प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण;
- छः से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा;
- कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

- मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम का प्रतिषेध;
- परिसंकटमय कार्यों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध।

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

- अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार की स्वतंत्रता;
- धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता;
- किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के संबंध में स्वतंत्रता;
- राज्य निधि से पूर्णतः पोषित शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतंत्रता।

संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार

- अल्पसंख्यक-वर्गों को अपनी भाषा, लिपि या संस्कृति विषयक हितों का संरक्षण;
- अल्पसंख्यक-वर्गों द्वारा अपनी शिक्षा संस्थाओं का स्थापन और प्रशासन।

सांविधानिक उपचारों का अधिकार

- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्देश या आदेश या रिट द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने का उपचार।

पाठ्यपुस्तक निर्माण समूह

कार्तिकेय साराभाई, *निदेशक*, पर्यावरण शिक्षा केंद्र (सी.ई.ई.), अहमदाबाद (***टीम लीडर***)

रेबिन छेत्री, *निदेशक*, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, सिक्किम (***टीम को-लीडर***)

अरुण नाइक, *आचार्य*, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरू

के.वी. श्रीदेवी, *सह-आचार्य*, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर

गायत्री दवे, *कार्यक्रम समन्वयक*, पर्यावरण शिक्षा केंद्र (सी.ई.ई.), अहमदाबाद

गीतिका मल्होत्रा अरोड़ा, *पी.आर.टी.*, द हेरिटेज स्कूल, रोहिणी, नई दिल्ली

गुरप्रीत कौर, *शिक्षिका*, मिडिल प्रोग्राम, हेरिटेज एक्सपीरियंशल लर्निंग स्कूल, गुरुग्राम

तरुण चौबीसा, *वरिष्ठ सलाहकार*, एन.एस.टी.सी. कार्यक्रम कार्यालय, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रशांत दिवेकर, *प्रमुख*, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, ज्ञान प्रबोधिनी, पुणे

बेरेन कुमार राउल, *वरिष्ठ शिक्षक एवं शिक्षाविद्*, मिराम्बिका फ्री प्रोग्रेस स्कूल, नई दिल्ली

बिनय पटनायक, *मुख्य सलाहकार*, एन.एस.टी.सी. कार्यक्रम कार्यालय, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

ममता पंड्या, *शिक्षिका*, संपादक और निर्देशात्मक डिजाइन सलाहकार

रमणीक वालिया, *शिक्षिका*, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय, अहमदाबाद

शंकरी राव, *टी.जी.टी.*, डॉ. कलमाड़ी शमाराव हाई स्कूल, गणेश नगर, पुणे

शमीन पडलकर, *विजिटिंग फैकल्टी*, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे

संदीप कुमार, *सहायक आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुखविंदर, *सह-आचार्य*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

धन्या कृष्णन, *सह-आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली ***(सदस्य-समन्वयक)***

हिंदी अनुवाद

आर.एस. दास, *उप प्रधानाचार्य* (सेवानिवृत्त), बलवंत राय मेहता सीनियर सेकंकेंडरी स्कूल, नई दिल्ली

कविता बिष्ट, *प्रधानाध्यापिका*, पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय, एन.एम.आर., रा.शै.अ.प्र.प. शाखा, नई दिल्ली

कुमकुम चतुर्वेदी, *कंटेंट डेवलपर* और *ट्रांसलेटर*, इग्नू

ज्योति ठाकुर, *वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी*, रक्षा मंत्रालय

© NCERT not to be republished

ज्योति तिवारी, *शोधार्थी*, सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनेश कुमार, *पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप*, दिल्ली विश्वविद्यालय

रविंद्र कुमार, *सह-आचार्य,* एम.पी.डी., केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, रा.शै.अ.प्र.प.

वंदिता, *वरिष्ठ हिंदी अधिकारी*, सी.एस.आई.आर.

समीक्षक

साकेत बहुगुणा, *सहायक आचार्य*, केंद्रीय हिंदी संस्थान, नई दिल्ली

स्वस्ति शर्मा, *वरिष्ठ परामर्शदाता*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

समन्वयक

धन्या कृष्णन, *सह-आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

संदीप कुमार, *सहायक आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा पर्यवेक्षण समिति के सम्माननीय अध्यक्ष और सदस्यों के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है जिन्होंने *विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* के दृष्टिकोणों को पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित करने में अमूल्य योगदान दिया है। परिषद्, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री विकास समिति के अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष और सदस्यों के प्रति उनके निरंतर मार्गदर्शन और पाठ्यपुस्तक की गहन समीक्षा के लिए भी हार्दिक आभार व्यक्त करती है। इसके अतिरिक्त रा.शै.अ.प्र.प., एन.एस.टी.सी., प्रारंभिक स्तर और उप-समूह: 'हमारे आसपास की दुनिया' के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ-साथ अन्य प्रासंगिक पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों (सी.ए.जी.) को उनके सहयोग और अंतर विषयक दिशानिर्देशों के लिए हार्दिक धन्यवाद देती है।

परिषद्, अमरेंद्र बेहरा, *प्रोफेसर* और *प्रमुख,* पी.आर.डी., केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान; प्रत्यूष कुमार मंडल, *प्रोफेसर*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग; सुनीता फरक्कया, *प्रोफेसर* और *प्रमुख*, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग; इंद्राणी भादुड़ी, *प्रोफेसर* एवं *प्रमुख*, शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग; विनय सिंह, *प्रोफेसर* एवं *प्रमुख*, विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग; मिली रॉय, *प्रोफेसर* और *प्रमुख*, जेंडर अध्ययन विभाग; ज्योत्सना तिवारी, *प्रोफेसर* और *प्रमुख*, कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प.; तथा उनकी टीमों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है जिन्होंने पाठ्यपुस्तक में अंतर-पाठ्यचर्या पहलुओं के निर्बाध एकीकरण और अन्य पाठ्यचर्या क्षेत्रों के साथ संबद्धता सुनिश्चित करने में सावधानीपूर्वक प्रयास किए।

परिषद्, पर्यावरण शिक्षा केंद्र की वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक पृथी नांबियार के समग्र सहयोग और अध्यायों के संपादन में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करती है। परिषद्, मीना ए.एस., *कार्यक्रम समन्वयक*; अर्चना पणिक्कर, *कार्यक्रम निदेशक;* पर्यावरण शिक्षा केंद्र की काव्या अग्रहरि, *परियोजना अधिकारी;* निकिता अय्यर, *परियोजना अधिकारी* को भी विषय-सामग्री के विकास में उनके समर्पित सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद देती है।

परिषद्, एन.एस.टी.सी. कार्यक्रम कार्यालय की *वरिष्ठ परामर्शदाता* रिद्धि गर्ग और पूर्वा भट्ट को विषय-सामग्री में सहायता के लिए धन्यवाद देती है। परिषद् प्रतिभा मिश्रा, *कनिष्ठ परियोजना अध्येता*, डी.ई.ई., रा.शै.अ.प्र.प. के योगदान को स्वीकार करती है।

परिषद् इस पुस्तक को प्रकाशन योग्य बनाने और इसके संपादन कार्य के लिए प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. में कार्यरत दिनेश वशिष्ट, *संपादक* (संविदा); कहकशा, *सहायक संपादक* (संविदा); जय प्रकाश नारायण, राहिल अंसारी और आफरीन, *प्रूफरीडर* (संविदा) के योगदान के लिए कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करती है। इस पाठ्यपुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए परिषद्, पवन कुमार बरियार, *प्रभारी*, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ; बिट्टू कुमार महतो, विपन कुमार शर्मा, मनोज कुमार, अयाज़ अहमद अंसारी और पवन कुमार, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा), मंजू नेगी, *कंप्यूटर टाइपिस्ट* (संविदा) को भी धन्यवाद देती है।

© NCERT not to be republished

© NCERT
not to be republished

विषय-सूची

आमुख *iii*

पाठ्यपुस्तक के विषय में *v*

इकाई 1 हमारे आस-पास का जीवन

अध्याय 1 जल — जीवन का आधार 3

अध्याय 2 एक नदी की यात्रा 21

इकाई 2 स्वास्थ्य एवं आरोग्य

अध्याय 3 भोजन का रहस्य 40

अध्याय 4 हमारा विद्यालय — एक आनंदमय स्थान 55

इकाई 3 अद्‌भुत भारत

अध्याय 5 हमारा जीवंत देश 75

अध्याय 6 कुछ अनूठे स्थान 94

इकाई 4 हमारे आस-पास की वस्तुएँ

अध्याय 7 ऊर्जा — वस्तुएँ कैसे कार्य करती हैं? 114

अध्याय 8 वस्त्र — वस्तुएँ कैसे निर्मित होती हैं? 131

इकाई 5 हमारा अद्‌भुत ग्रह

अध्याय 9 प्रकृति की लय 147

अध्याय 10 पृथ्वी — हम सबका घर 161

© NCERT not to be republished

गांधी जी का जंतर

तुम्हें एक जंतर देता हूँ। जब भी तुम्हें संदेह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आज़माओ :

जो सबसे गरीब और कमज़ोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुँचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानी क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा, जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।